छोड़ दे, छोड़ दे,

अपने आप का भरोसा

कर मसीह पर भरोसा,

वो तुझे जानता है

1. दो-चार दिन की है तेरी

यह रंग, रूप और यह जवानी

यह ध्‍न-दौलत और शौहरत

हो जाएगी एक दिन पफानी

चलने वाली साँसें तो ठहर जाती हैं

2. दुनिया की ताकत का

सुन प्‍यारे भरोसा न कर

झूठा प्‍यार झूठा जग सारा

किसी पर भरोसा न कर

कच्‍चे धगों का यह बंध्‍न टूट जाता है

3. अपनी पिफक्र तू कभी न कर

तेरी पिफक्र तो मसीह करेगा

जहाँ में एक है वो सहारा

सारी मुश्‍किलें मसीह आसां करेगा

सुख शान्‍ति के, ये घर लेकर जायेंग